अध्याय सप्तम्

संक्षेपिका

७ १ परिचय -

अवधारणा -

मन के अनुसार " अवधारणा तर्क के परिणाम है और एकबार विकसित हो जाने पर ये आगामी चितन मे महत्वपूर्ण भूमिका प्रस्तुत करते है ।"

जीवन की अवधारणा-

बच्चे "**जीवन**" शब्द से क्या समझते है । वे किन गुणो के आधार पर "जीवन" को निर्धारित करते है । इस बात को सिद्ध करने की आवश्यकता नही है कि "जीवन" को "चेतना" को एक वयस्क समझता है और बच्चे समझते है उनमे ज्यादा समानता नही है ऐसा लगता है कि कुछ अलग मामलो मे बच्चे "जीवन" शब्द से ज्यादा ही परिचित है बजाय इन शब्दो के जैसे जानना और महसूस करना ।

अभी तक "**जीवन**" की अवधारणा के जो निष्कर्ष प्राप्त हुये है उनसे यह स्पष्ट होता है कि चार चरण जो परिभाषित है किये गये है वे सम्बन्धित है चीजो को जीवित रखने वाले गुणो से ।

प्रथम चरण मे तो प्रत्येक चीज जीवित कहलायी जायेगी जिसमे एक–एक क्रिया, एक कार्य, एक उपयोग किसी तरह का हो गुण हो ।

दूसरे चरण मे "जीवन" को गति द्वारा परिभाषित किया गया है । जिसमे गति को कुछ हद तक स्वाभाविक माना गया है ।

तीसरे चरण मे बच्चे स्वाभाविक क्रिया या गति को कृत्रिम क्रिया या गति से पृथक करता है और "जीवन" स्वाभाविक क्रिया या गति से पहचाना जाता है ।
अतिम या चौथे चरण मे "जीवन" केवल पौधो एव जन्तुओ तक सीमित है ।

७.२ शोध कार्य की आवश्यकता -

वर्तमान युग पूर्णत मशीनी युग है । कम्प्यूटर के आने से तथा मानव जीवन के दैनिक समस्त कार्यो मे कम्प्यूटर के उपयोग से मानव मस्तिष्क का विकास निरन्तरता की चरम सीमा पर जा पहुँचा है ऐसे मे प्रत्येक स्तर के बालको की सकल्पनाओ तथा अवधारणाओ की विकास पर्यावरणीय कारणो से तीव्र हो चला है ।

यह रूचि का विषय होगा यदि बच्चो के सदर्भ मे इस बात का अध्ययन किया जाय कि वे "जीवन" से क्या समझते है । क्या बच्चे भी वयस्को के समान **''जीवन''** की अवधारणा के सम्बन्ध मे चेतना रखते है । बच्चे **''जीवन''** शब्द से क्या समझते है वे **''जीवन''** शब्द को किन–किन अर्थो मे ग्रहण करते है । वे सजीवो और निर्जीवो मे अन्तर कैसे करते है । सजीवो मे किस प्रकार के गुणो को देखते है और अवलोकित करते है । उनके मस्तिष्क मे **''जीवन''**होने की अवधारणा क्या है । बच्चो के विकास की अवस्था के साथ–साथ उनमे **''जीवन''** की अवधारणा किस प्रकार परिवर्तन होता है और वे किन गुणो को **''जीवन''** के लिये अनिवार्य समझते है । अत **''जीवन''** की अवधारणा (कक्षा ३,५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे) का अध्ययन किया गया है ।

७.३ शोध के उद्देश्य -

"जीवन की अवधारणा"(कक्षा ३,५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सन्दर्भ मे) के निम्नलिखित उद्देश्य है –

१ बच्चे सजीव का कैसे निर्धारित करते है ?
२ बच्चे निर्जीव को कैसे निर्धारित करते है ?
३ बच्चे सजीव एव निर्जीव मे अन्तर कैसे करते है ?
४ क्या कक्षा ३,५, एव ७ के बालक–बालिकाओ दवारा सजीव वस्तुओ के हॉ मे दिये गये उत्तरो मे अन्तर है ?
५ कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ द्वारा "जीवन की अवधारणा का अध्ययन" मे दिये गये उत्तरो का आरेखीय निरूपण करना।

७ ५ शोध-प्रश्न

१ क्या सूरज जीवित चीज है ?
२ क्या मच्छर जीवित चीज है ?
३ क्या अडा जीवित चीज है ?
४ क्या पेड जीवित चीज है ?
५ क्या साइकिल जीवित चीज है ?
६ क्या मकडी जीवित चीज है ?
७ क्या बादल जीवित चीज है ?
८ क्या एजिन (मोटर) जीवित चीज है ?
९ क्या बीज जीवित चीज है ?
१० (अ)क्या आप टी वी देखते है ?
१० (ब)क्या टी वी जीवित चीज है ?
११ क्या चन्द्रमा जीवित चीज है ?
१२ क्या तुलसी का पौधा जीवित चीज है ?
१३ क्या मछली जीवित चीज है ?
१४ क्या हरी घास जीवित चीज है ?
१५ क्या बैक्टीरिया (जीवाणु) जीवित चीज है ?

७ ५ शोध मे प्रयुक्त चर – प्रस्तुत शोध मे चर निम्नानुसार प्रयुक्त किये गये ।

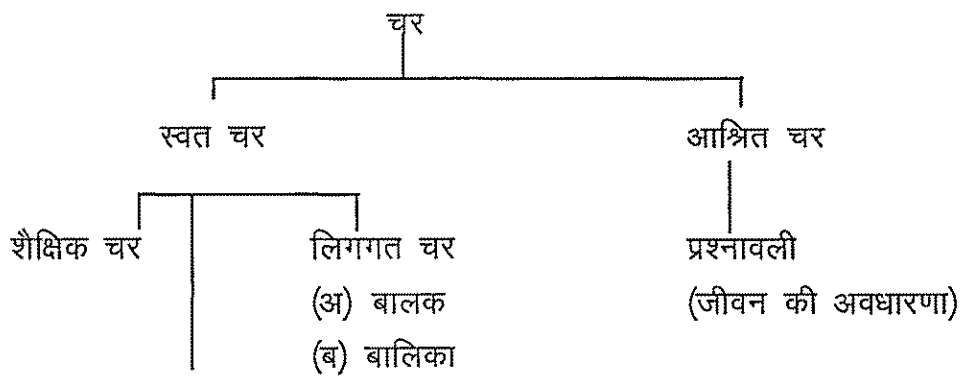

कक्षा–३ के बालक एव बालिकाए
कक्षा–५ के बालक एव बालिकाए
कक्षा–७ के बालक एव बालिकाए

७ ६ शोध मे प्रयुक्त न्यादर्श, न्यादर्श की विशेषताएं एवं न्यादर्श चयन प्रकिया-

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे भोपाल के १० विद्यालयो के कक्षा ३,५ एव ७ से १२० बालक–बालिकाओ का चयन सुविधानुसार विधि से किया गया है ।

भोपाल के १० विद्यालयों के बालक-बालिकाएँ

क	कक्षा	बालको की सख्या		बालिकाओ की सख्या	योग
१	३	२०	—	२०	४०
२	५	२०	—	२०	४०
३	७	२०	—	२०	४०
				कुल योग —	१२०

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

७ ७ शोध का शीर्षक -

प्रस्तुत लघु शोध को निम्न शब्दो मे शब्दाकित किया गया है । "जीवन की अवधारणा का अध्ययन" (कक्षा ३,५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सन्दर्भ मे)।

७ ८ शोध का सीमाकंन एंव उपकरण -

प्रस्तुत लघुशोध मे शोधकर्त्ता द्वारा शोध का सीमाकन इस प्रकार किया गया ।

१ "जीवन की अवधारणा का अध्ययन" हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया गया ।

२ प्रस्तुत शोध अध्ययन भोपाल के कुछ १० विद्यालयो के प्राथमिक स्तर के बच्चो तक ही सीमित है ।

७ ९ शोध दौरान प्रदत्तो का सकलन -

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे प्रश्नावली की सहायता से शोधकर्त्ता ने दस विद्यालयो मे जाकर वहॉ प्रधानाध्यापक की अनुमति से "जीवन की अवधारणा का अध्ययन " (कक्षा ३,५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे) के विषय मे साक्षत्कार विधि के अर्न्तगत प्रश्न पूछे गये ।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे तथ्यो का सकलन उद्देश्यपूर्ण तथा पक्षपात रहित ढग से किया गया ।

७.१० शोध में प्रयुक्त तकनीकी -

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे शोधकर्त्ता द्वारा साक्षत्कार तकनीकी को अपनाया गया । साक्षात्कार मे साक्षात्कारकर्त्ता तथा, प्रयोज्य आमने सामने पारस्परिक मौखिक आदान – प्रदान से अपने विचारो को एक दूसरे से अवगत कराते है ।
प्रस्तुत प्रश्नावली मे " जीवन की अवधारणा का अध्ययन" से सम्बन्धित १५ प्रश्न के उत्तर प्रत्येक बालक–बालिका से पूछे गये ।

७ ११ शोध-निष्कर्ष

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध " जीवन की अवधारणा" (कक्षा ३–५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे) से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये ।

प्रश्न–१ क्या सूरज जीवित चीज है के उत्तर हॉ मे बालको का प्रतिशत कक्षा ३ एव ५ मे ज्यादा तथा बालिकाओ का प्रतिशत कक्षा ७ मे ज्यादा रहा।

प्रश्न–२ क्या मच्छर जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे तीनो कक्षाओ ३,५ एव ७ मे बालको के उत्तर का प्रतिशत बालिकाओ से कक्षा ३ मे अधिक कक्षा ५ मे बराबर किन्तु कक्षा ७ की बालिकाओ से ज्यादा रहा ।

प्रश्न–३ क्या अडा जीवित है ? के उत्तर हॉ मे बालको का प्रतिशत कक्षा ३ एव ५ मे बालिकाओ के बराबर किन्तु कक्षा ७ की बालकाओ से ज्यादा रहा

प्रश्न–४ क्या पेड जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे बालको का प्रतिशत कक्षा ३ मे बराबर,कक्षा ५ मे बालिकाओ का प्रतिशत ज्यादा तथा कक्षा ७ मे बालको का प्रतिशत ज्यादा रहा ।

प्रश्न–५ क्या साइकिल जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे बालको का प्रतिशत तीनो कक्षाओ मे बालिकाओ की तुलना मे कम रहा ।

Regional Institute of ... LIBRARY Bhopal

प्रश्न–६ क्या मकडी जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३, ५ एव ७ के बालको का प्रतिशत तीनो कक्षाओ मे बालिकाओ के समान ही शत प्रतिशत रहा।

प्रश्न–७ क्या बादल जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३, ५ एव ७ के बालको का प्रतिशत ३ की बालिकाओ के बराबर, ५वी की बालिकाओ से ज्यादा तथा ७वी की बालिकाओ के बराबर रहा ।

प्रश्न–८ क्या एजिन(मोटर) जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ के बालको का प्रतिशत कक्षा ३ एव ५वी की बालिकाओ की तुलना मे ज्यादा और ७वी कक्षा मे बालिकाओ का प्रतिशत ज्यादा रहा ।

प्रश्न–९ क्या बीज जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ बालको का प्रतिशत बालिकाओ से कक्षा ३ मे ज्यादा ५ मे बराबर तथा ७ मे ज्यादा रहा।

प्रश्न–१० क्या आप टीवी देखते है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ मे सभी बालक–बालिकाओ का प्रतिशत, शत प्रतिशत रहा ।

प्रश्न–१०बी क्या टीवी जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ के बालक का प्रतिशत कक्षा ३ एव ५ की बालिका से कम एव ७ मे बराबर रहा ।

प्रश्न–११ प्रश्न–११ क्या चन्द्रमा जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ के बालको का प्रतिशत कक्षा ३ मे अधिक, कक्षा ५ मे बराबर तथा कक्षा ७ मे कम रहा ।

प्रश्न–१२ क्या तुलसी का पौधा जीवित चीज है? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ के बालको का प्रतिशत कक्षा ३की बालिकाओ के बराबर कक्षा ५ की बालिकाओ से कम तथा कक्षा ७ की बालिकाओ के बराबर रहा ।

प्रश्न–१३ क्या मछली जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ के बालक–बालिकाओ का प्रतिशत शत प्रतिशत रहा ।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

प्रश्न–१४ क्या हरी घास जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३, ५ एव ७ के बालको का कक्षा ३ की बालिकाओ से ज्यादा, कक्षा ५ की बालिकाओ से कम तथा कक्षा ७ की बालिकाओ से ज्यादा रहा ।

प्रश्न–१५ क्या बैक्टीरिया जीवित चीज है ? के उत्तर हॉ मे कक्षा ३,५ एव ७ के बालको का प्रतिशत कक्षा ३ मे बालिकाओ से ज्यादा, कक्षा ५ मे बालिकाओ से कम तथा कक्षा ७ मे ज्यादा रहा ।

७ १२ शोध दौरान सुझाव -

१ विद्यार्थियो मे उनके आस–पास के पर्यावरण का उन पर पूर्णत प्रभाव पडता है ।

२ विद्यार्थियो मे प्रत्यक्षीकरण का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है ।

७ १३ भावी शोध हेतु सुझाव -

'' जीवन की अवधारणा का अध्ययन'' (कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे) अध्ययन उपरान्त शोधकर्त्ता द्वारा भावी शोध हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये गये है ।

१ 'जीवन की अवधारणा' मे अन्य कक्षाओ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे अध्ययन करना ।

२ ''जीवन की अवधारणा'' मे ग्रामीण एव शहरी बालक–बालिकाओ का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

३ ''जीवन की अवधारणा' के सम्बन्ध मे आदिवासी एव गैर आदिवासी बालक–बालिकाओ का अध्ययन करना ।

४ जीवन की अवधारणा'' के सम्बन्ध मे बालक–बालिकाओ विभिन्न प्रकार की प्रश्नावलियो का निर्माण कर बालक–बालिकाओ की अवधारणा का अध्ययन करना ।

५ ''जीवन की अवधारणा'' के सबध मे प्राथमिक कक्षाओ के बालक–बालिकाओ का आर्थिक स्तर पर अध्ययन करना।